सीसीपी कानून - छठा समाचार पत्र

UUM ने अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन इरास्मस+ परियोजना बैठक की मेज़बानी की

युनिवर्सिटी उतरा मलेशिया (UUM) ने जलवायु परिवर्तन नीति और कानून (CCP-LAW) के लिए पाठ्यक्रम विकास पर इरास्मस+ परियोजना की पांचवीं अंतरराष्ट्रीय बैठक की मेजबानी की। 23 से 25 अप्रैल, 2024 तक आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हितधारकों को CCP-LAW परियोजना की प्रगति पर चर्चा करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक साथ लाया गया। बैठक का समापन 27 अप्रैल, 2024 को लैंगकावी द्वीप में यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क के वैज्ञानिक दौरे के साथ हुआ, जिसने प्रतिनिधियों को प्राकृतिक सेटिंग में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का पता लगाने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। बैठक में छह देशों के 10 CCP_Law टीम के सदस्यों के कुल 32 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यूयूएम के अतिरिक्त, अन्य भाग लेने वाले संस्थानों में शामिल थे: यूरोपियन नॉलेज स्पॉट और पीईडीएमईडीई (ग्रीस), कोवेंट्री यूनिवर्सिटी (यूके), यूनिवर्सिटैट डी गिरोना (स्पेन), हनोई लॉ यूनिवर्सिटी और ह्यू यूनिवर्सिटी (वियतनाम), मारवाड़ी यूनिवर्सिटी और सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी (भारत), इंटरनेशनल इस्लामिक यूनिवर्सिटी मलेशिया।

परियोजना प्रगति

बैठक का पहला दिन (23 अप्रैल) सभी कार्य पैकेज द्वारा प्रगति रिपोर्ट सत्र के साथ शुरू हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने नवीनतम अपडेट साझा किए और परियोजना में अगले चरणों पर चर्चा की। यह सत्र सीसीपी-लॉ परियोजना की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण था कि प्रत्येक टीम परियोजना के लक्ष्यों के साथ संरेखित हो।

क्षमता निर्माण कार्यशाला

दूसरे दिन (24 अप्रैल) को यूनिवर्सिटैट डी गिरोना और कोवेंट्री यूनिवर्सिटी द्वारा दो महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में जलवायु परिवर्तन नीति और कानून पर आजीवन सीखने के पाठ्यक्रम की डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित किया गया, जहाँ प्रतिभागियों को परियोजना प्लेटफ़ॉर्म पर अपनी सामग्री अपलोड करने और व्यवस्थित करने के तरीके पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इन सत्रों में शैक्षिक सामग्री के लिए एक मजबूत और सुलभ मंच बनाने के महत्व पर जोर दिया गया, जिससे प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम सामग्री प्रबंधन में व्यावहारिक कौशल हासिल करने में मदद मिली।

न्यूज़लैटर हाइलाइट्स

UUM ने अंतर्राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन इरास्मस+ परियोजना बैठक की मेज़बानी की

परियोजना प्रगति

क्षमता निर्माण कार्यशाला

यूयूएम प्रबंधन के साथ बैठक

लैंगकावी जिओपार्क शैक्षिक यात्रा

तस्वीरें

Co-funded by the Erasmus+ Programme of the European Union

यूयूएम प्रबंधन के साथ बैठक

तीसरे दिन (25 अप्रैल) प्रतिनिधियों ने चांसलरी बिल्डिंग में यूयूएम की प्रबंधन टीम से मुलाकात की। सत्र की शुरुआत यूयूएम के अनुसंधान और नवाचार के उप-कुलपति प्रो. डॉ. रुस्सायानी इस्माइल के स्वागत भाषण से हुई, उसके बाद सीसीपी-लॉ समन्वयक प्रो. डॉ. दो थी जुआन डुंग का भाषण हुआ। बैठक में एसोसिएट प्रो. डॉ. मस्निता मिसिरन @ बाकुन, परीक्षण, माप और मूल्यांकन केंद्र (सीईटीएमए) की निदेशक द्वारा यूयूएम के परिसर स्थिरता पहलों पर एक ब्रीफिंग भी शामिल थी। ये पहल सीसीपी-लॉ परियोजना के जलवायु परिवर्तन शमन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने के अनुरूप हैं। बैठक का समापन यूयूएम की सुविधाओं के दौरे के साथ हुआ, जिसमें सुल्तानाह बहियाह लाइब्रेरी, यूयूएम प्रबंधन संग्रहालय, यू-असिस्ट और स्कूल ऑफ लॉ की जलवायु परिवर्तन कानून अनुसंधान इकाई (क्लाइमेट) शामिल हैं।

लैंगकावी जिओपार्क शैक्षिक यात्रा

बैठक के समापन के लिए, प्रतिनिधियों ने 26 और 27 अप्रैल को लैंगकावी में यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क की एक शैक्षिक यात्रा में भाग लिया, जहाँ उन्होंने स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्रों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का पता लगाया। इस यात्रा में किलिम कार्स्ट जियोफॉरेस्ट पार्क जैसे प्रमुख स्थल शामिल थे, जो तटीय संरक्षण में मैंग्रोव की भूमिका, मीठे पानी के संसाधनों पर वर्षा के प्रभाव और चल रहे संरक्षण प्रयासों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं। यह वास्तविक दुनिया का अनुभव जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन रणनीतियों के व्यावहारिक उदाहरणों को शामिल करके सीसीपी-लॉ पाठ्यक्रम को समृद्ध करेगा।

तस्वीरें